NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH

SOLVED ASSIGNMENT OF TERM - Ist

CLASS :- 7th SESSION 2021

SUBJECT : HINDI

पाठ - 7

सत्य और अहिंसा

शब्द - अर्थ

कामधेनु = समुद्र मंथन से निकली गाय
वैराग्य = भक्ति, तपश्चर्या = तपस्या, अतंपर्यंत = अंत तक
निद्रा = नींद, सत्य = सच, आराधना = पूजा
प्रवृत्ति - आदत, अस्तित्व = मौजूदगी, सूक्ष्म जीव = छोटे-छोटे जीव, आचार = व्यवहार, कसौटी = परीक्षा,
त्याज्य = त्यागने योग्य, चिंतामणि = चिंता का नाश करने वाला रत्न, साक्षात्कार = भेंट, उपद्रव = उत्पात,
अटूट = जो कभी न टूटे, साहूकार = धनवान, कुविचार = बुरा विचार, मिथ्या = झूठ।

मौखिक : (उत्तर)

1. कुविचार, उतावली, मिथ्या - भाषण हिंसा है।
2. गांधी जी ने सत्य का मंत्र जपने को कहा है।

लिखित : (उत्तर)

1. सत्य की अराधना के लिए ही हमारा अस्तित्व है इसी के लिए हमारी प्रत्येक प्रवृत्ति और इसी के लिए हमारा श्वासोच्छ्वास होना चाहिए।

2. गांधी जी की दृष्टि में सत्य का अर्थ विचार वाणी

और आचार में सत्य का होना ही सत्य है। सत्य का अर्थ सच बोलना मात्र ही समझा जाता है। सच की आराधना भक्ति है। जिस प्रकार सच मेरे लिए चिंता का नाश करने वाला रत्न है उसी प्रकार वह सब के लिए है।

3. सत्य की खोज के लिए हमें सत्य की खोज के लिए आत्मकष्ट सहने की बात होती है उसके पीछे मर मिटना होता है। उसमें स्वार्थ की गंध तक नहीं होती। इस खोज में हम अंत तक गलत रास्ते पर नहीं जाते। भटकते ही ठोकर खाते है और फिर सीधे रास्ते चलते है।

5. किसी को न मारना, कुविचार, उतावली, मिथ्या-भाषण, किसी की चीज़ पर कब्ज़ा रखना : हिंसा है।

6. हमारे मार्ग में चाहे जो संकट आए, हमारी चाहे जितनी हार होती दिखाई दे तो भी हमें विश्वास न छोड़कर एक ही मंत्र जपना चाहिए वह सत्य है।

2. रिक्त स्थान भरिए : (उत्तर)

क, प्रवृत्ति, श्वासोच्छ्वास ख, अराधना
ग, क्षणभंगुर घ, अहिंसा, दृष्टि ङ, परमेश्वर

नीचे लिखी क्रियाओं के काल के भेदों का नाम लिखिए:

क, ~~वर्तमानकाल~~ भविष्यत काल
ख, भविष्यतकाल
ग, वर्तमानकाल
घ, वर्तमानकाल
ङ, वर्तमान काल
च, भूतकाल

Scanned with CamScanner

पाठ - 8
नागालैंड

शब्द ज्ञान

वनाच्छादित = अत्यधिक वनों वाला, नर्तक = नाचने वाले, विशिष्ट = विशेष प्रकार के, परिवर्तन = बदलाव, प्रशिक्षण केंद्र = शिक्षा का केन्द्र।

मौखिक (उत्तर)

1. नागालैंड के लोगों की नाक कुछ चपटी और आँखे उपेक्षाकृत छोटी होती हैं।
2. नागालैंड में सात जिले हैं।

लिखित : (उत्तर)

क. नागालैंड के इर्द-गिर्द के एक किनारे पर असम, दूसरे पर मणिपुर और तीसरे छोर पर म्यामांर है।

ख. नागालैंड की राजधानी का नाम कोहिमा है। इस राज्य में सात ज़िले हैं।

ग. आशु नई दिल्ली से उत्तर-पूर्वी से बरौनी होकर पहुँचा उसके बाद कोलकाता से होते हुए दीमापुर से नागालैंड पहुँचा।

घ. नागा जाति के लोग अपनी पोशाकों को सजाने में पँखों, बकरी के बालों, शंख, सींग, हड्डियों और हाथी दाँतों का प्रयोग करते हैं।

3. वाक्यों को पूरा कीजिए :
नागालैंड, पहाड़ों की पतली-सी रेखा में सिमटा हुआ एक छोटा-सा राज्य है।

4. अधूरे वाक्यों को पूरा कीजिए :

क, पूर्वी सीमा पर यह छोटा-सा हरा-भरा वनाच्छादित राज्य है।

ख, इन भाषाओं में प्रमुख हैं - आओ और अंगामी।

ग, हमारे यहाँ की तरह नागालैंड के लोग मसाले वगैरह अधिक नहीं खाते।

घ, नागा लोग शिकार खूब करते हैं और नदियों से मछलियाँ पकडते हैं।

ङ., नागा जाति के लोग बड़े बहादुर होते हैं। उनके हथियारों में भाला, हथौड़ी के किस्म का एक औज़ार और बंदूक प्रमुख हैं।

च, वे अपनी विशिष्ट पोशाकों को सजाने में पंखों, बकरी के बालों, शंख, सींग, हड्डियों और हाथी दाँतों का प्रयोग करते हैं।

छ, यहाँ की स्त्रियाँ हथकरघे पर घर में ही बड़े सुंदर-सुंदर वस्त्र बुनती थी।

ज़, यहा के लड़के फ़र्नीचर बनाना, लकड़ी पर खुदाई करना, लुहार का काम आदि सीखते हैं।

5. निम्नांकित शब्दों में पुल्लिंग और स्त्रीलिंग छाँटकर लिखिए :

पुल्लिंग :- जंगल, जानवर, वन, पोशाक, पर्वत, गाँव, मकान, प्रांत, चावल, सुअर, खेत

स्त्रीलिंग :- लकड़ी, मछली, बकरी, सीढ़ी, सब्जी, मुखिया, जमीन, दिन, भैंसा, रेखा

Scanned with CamScanner

निम्नलिखित वाक्यों से अशुद्धियाँ दूर करके पुनः लिखिए : (उत्तर)

1. हिमालय बहुत पवित्र माना जाता रहा है।
2. धन का सदुपयोग सुख और शांति देता है।

पाठ - 9
सागर और मेघ

शब्द अर्थ :
मर्यादानाश = मर्यादा का नष्ट होना, निरीक्षण = देखना, निःसंदेह = बेशक, हृदय = दिल, वारि = पानी, पर्व = त्योहार, वाष्पमय = भाप से युक्त, निपातित = गिरना, आततायी - आतंक मचाने वाला, त्रास = डर, क्षात्रधर्म = क्षत्रिय का धर्म, सुरराज = इंद्र, अवमानना = तिरस्कार, कुलिश = वज्र, धर्मभीरुता = धर्म से डरना, विश्राम = आराम, प्रतिदिन = हर रोज, श्रद्धापूर्वक = श्रद्धा से भरकर, वाडव = ताप, प्रलय = भयंकर विनाश, स्पर्धा = होड़, अस्थिरता = न हिलना।

मौखिक -(उत्तर)
2. सागर के हृदय में मोती भरा है।

लिखित -(उत्तर)
1. सागर द्वारा मेघ को वाष्पमय शरीर क्यों ....
उ: सागर द्वारा मेघ को वाष्पमय शरीर इसलिए कहा जाता है क्योंकि सागर मेघ को शुद्ध और

और मीठा बनाकर सही जगह पर पहुँचा देता है।
2. इस वार्तालाप से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
3. इस वार्तालाप से हमें यह शिक्षा मिलती है कि प्रकृति में कोई भी पदार्थ महत्वहीन नहीं है। अतः किसी भी पदार्थ को उसके छोटे - बड़े आकार के आधार पर महत्वहीन करार देना उचित नहीं है।

2. रिक्त स्थान भरें : (उत्तर).
क, उच्चतम ख, आकाश - भर ग, प्रतिक्षण
घ, नर-कंकाल ङ, धर्मभीरुता

1. नीचे दिए गए वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :
(उत्तर)
क, प्रकृति हमें परोपकार का संदेश देती है।
ख, आलस्य मनुष्य को कायर बना देती है।
ग, विज्ञान का विद्युत सबसे बड़ा आविष्कार है।
घ, धर्म का संबंध मानवता से है।
ङ, प्रेमचंद जी का असली नाम धनपतराय था।

— o —

पाठ - 10
कोयल

शब्द ज्ञान
मेघ = बादल , तरु = वृक्ष , धरती = पृथ्वी

मौखिक (उत्तर)

1. कोयल बहार के मौसम में दिखलाई देती है।
2. कोयल को चिड़ियों की रानी उसकी मीठी वाणी के कारण कहा जाता है।

लिखित (उत्तर)

1. कोयल को देखकर बच्चों के मन में यह जिज्ञासा उठती है कि हमें तुम्हारे आने से बहुत-कुछ मिलता है। तुम्हारा मधुर-मधुर गीत सुनने को मिलता है। मिठे आम खाने को मिलते है गर्मी के मौसम में तुम बादल को बुलाती हो

2. कोयल के आने पर बच्चों को खुशी इसलिए होती है क्योंकि उन्हें खाने के लिए मीठे आम और कोयल की मीठी वाणी सुनने को मिलती है

3. कविता में कोयल की मीठी बोली की तुलना माँ सी की गई है।

4. हम माँ के बच्चे हैं, अम्मा हमें बहुत ही प्यारी हैं,
उसी तरह क्या कोई अम्मा, कोयल कहीं तुम्हारी है?
डाल-डाल पर उड़ना, गाना जिसने तुम्हें सिखाया है,
सबसे मीठी बोली बोलो, यह भी तुम्हें बताया है ॥

Scanned with CamScanner

सही वाक्य पर (✓) और गलत पर (✗) के निशान लगाइए:
क, (✗) ख, (✓) ग, (✓) घ, (✓) ङ, (✓)

— o —

पाठ - 11
श्री हरिकोटा

शब्द ज्ञान
संग्रह = एकत्र , बाध्य = बाहर , अनभिज्ञ = अंजान , व्यापक = विस्तृत , रमणीयता = सुंदरता , अंतरिक्ष = आकाश की सुंदरता ।

मौखिक : (उत्तर)
1. श्रीहरिकोटा आंध्रप्रदेश के समुद्र तट के समीप स्थित है ।
2. श्रीहरिकोटा के मूल निवासी यनादि नाम से जाने जाते हैं ।
3. सोवियत संघ ने पहला स्पूतनिक उपग्रह 4 अक्टूबर 1957ई को छोड़ा गया ।
4. 1971 ई॰ में डॉ साराभाई की मृत्यु के पश्चात् त्रिवेंद्रम के नए केन्द्र को "विक्रम साराभाई" अंतरिक्ष केन्द्र दिया गया ।

लिखित : (उत्तर).
1. भारत में अंतरिक्ष अनुसंधान की गतिविधियाँ 1962 में आरंभ हुई और पहला अंतरिक्ष केंद्र 21 फरवरी 1969 में स्थापित हुआ ।

2. डॉ॰ साराभाई को श्रीहरिकोटा द्वीप के किनारों पर किलोलें करती सागर की लहरों ने मन

Scanned with CamScanner

मोड़ लिया। उन्हें यह द्वीप बेहद पसंद आया और उन्होंने यह भारत की अंतरिक्ष में आरोहण की आकांक्षाओं का एक महल बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। यहाँ बड़े रॉकटो को अंतरिक्ष में दौड़ने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएँ जुटाई गई। सबसे पहले सड़कें और पुल बनाए गए। फिर एक-एक करके रॉकेट प्रक्षेपण, ट्रैकिंग, नियंत्रण, प्रोपेलेंट उत्पादन, राकेट-प्रणालियों का अग्नि-परीक्षण आदि अनेक सुविधाओं की यहाँ स्थापना हुई।

२. सही पर (✓) और गलत पर (x) के निशान लगाएँ:
(उत्तर)

क. (✓) (ख) (✓) (ग) (x) घ, (✓)
ङ,) (✓)

— o —

(हिन्दी व्याकरण)

निबंध :

प्रदूषण की समस्या (unit II)

समाचार - पत्र

पत्र :

1. अनियमित डाक वितरण के लिए डाकपाल महोदय को पत्र लिखें।
2. खेल के सामान की कमी के ~~कारण~~ लिए अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखें। (unit II)

· विलोम शब्द : (1-30)

पर्यायवाची शब्द (1-40)

अनेकार्थक शब्द (1-27)

शब्द युग्म (1-20)

मुहावरे (1-40)

उपसर्ग, प्रत्यय, समास

Scanned with CamScanner